514

MASA-05

December - Examination 2018

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) बाणभट्ट की द्वितीय प्रसिद्ध गद्य रचना कौन सी है?

(ii) गद्य शैली के प्रसिद्ध तीन कवियों के नाम लिखिए।

(iii) कादम्बरी का मूल उत्स क्या है?

(iv) माघ कवि की प्रसिद्ध रचना का नाम लिखिए।

(v) शिशुपालवध का प्रधान रस कौन सा है?

(vi) नारद कृष्ण को किसका संदेश सुनाते हैं?

(vii) सर्गबन्ध रचना क्या कहलाती है?

(viii) स्तोत्र शब्द का अर्थ क्या है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिंदी में कीजिए।

यस्य च परलोकाद्भयम्, अन्तःपुरिकाकुन्तलेषुभङ्गः, नूपुरेषु मुखरता, विवाहेषु करग्रहणम्, अनवरतमखाग्निधूमेनाश्रुपातः, तुरङ्गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्। तस्य च राज्ञः कलिकालभयपुञ्जीभूत–कृतयुगानुकारिणी त्रिभुवनप्रसवभूमिरिव विस्तीर्णा, मज्जन्मालवविलासिनीकुचतटास्फालन–जर्जरितोर्म्मिमालया जलावगाहनागत–जयकुञ्जर–कुम्भ–सिन्दूर सन्ध्यायमान–सलिलया उन्मद–कलहंस–कुल–कोलाहल–मुखरित–कूल यावेत्रवत्या परिगता विदिशाभिधाना नगरी राजधान्यासीत्।

अथवा

सहसैव तस्मिन् महावने संत्रासितसकल–वनचरः; सरभसमुत्पतत्पतत्रिपक्षपुटशब्द–सन्ततः, भीत–करिपोत–चीत्कारपीवरः, प्रचलितलताकुल–मत्तालिकुलक्वचित्मांसलः, परिभ्रमदुद्धोणवनवराहरवधर्धरो, गिरिगुहा–सुप्त–प्रबुद्ध–सिंहनादोपबृंहितः कम्पयन्निव तरून्–, भगीरथावतार्य्यमाणगङ्गाप्रवाहकलकल–बहलो भीतवनदेवताकर्णितो मृगयाकोलाहल–ध्वनिरूदचरत्। आकर्ण्य च तमहमश्रुतपूर्वमुपजात–वेपथुरर्भकतया जर्ज्जरित – कर्णविवरो भय–विह्वलः समीपवर्तिनः पितुः प्रतीकारबुद्धया जराशिथिलपक्षपुटान्तरमविशम्।

3) निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

यावदर्थपदां वाचमेवमादाय माधवः।
विरराम महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः।।

अथवा

तेजस्विमध्ये तेजस्वी दवीयानपि गण्यते।
पञ्चमः पञ्चतपसस्तपनो जातवेदसाम्।।

4) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए।

कर्णामृतं सूक्तिरसं विमुच्य
दोषे प्रयत्न सुमहान्खलानाम्।
निरीक्षते केलिवनं प्रविश्य।
क्रमेलकः कण्टकजालमेव।।

अथवा

उत्खातविश्वोत्कटकण्टकानां
यत्रोदितानां पृथिवीपतीनाम्।
क्रीडागृहप्राङ्गणलीलयैव
बभ्रामकीर्तिर्मुवनत्रयेऽपि।।

5) कादम्बरी के भाषागत सौन्दर्यपर प्रकाश डालिए।

6) कादम्बरी के रस परिपाक पर लेख लिखिए।

7) 'नवसर्गगते माघे नवशब्दो न विद्यते' उक्ति की समीक्षा कीजिए।

8) विक्रमांक देवचरितम् की काव्य शैली पर लेख लिखिए।

9) शिवमहिम्नः स्तोत्र की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का हैं।

10) बाणभट्ट के प्रकृति–चित्रण पर एक लेख लिखिए।

11) माघकाव्य की सूक्तियों पर एक लेख लिखिए।

12) 'विकमांकदेवचरितम् एक ऐतिहासिक महाकाव्य है' सिद्ध कीजिए।

13) स्तोत्र काव्य परम्परा में 'शिवमहिम्नः स्तोत्र का महत्त्वपूर्ण स्थान है' समीक्षा कीजिए।